आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 04.01.2026 समय : 1905

<><><><><><><>

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा– 2014 के बाद से खेलों में भारत का प्रदर्शन लगातार बेहतर हो रहा है और भारत 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी का प्रबल दावेदार है।
- केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कल नेताजी स्टेडियम में तीन सौ तिहत्तर करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनओं का लोकापर्ण और शिलान्यास किया।
- केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अपने द्वीप समूह दौरे पर भारतीय जनता पार्टी के कार्यालय में कार्यकर्ताओं से भेंट की।
- अब तीन वर्ष से कम अवधि वाले स्टार्टअप भी अनुसंधान, विकास और नवाचार कोष का लाभ उठा सकेंगे।

<><><><><><><>

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि 2014 के बाद खेलों में भारत का प्रदर्शन लगातार बेहतर हुआ है। आज उत्तरप्रदेश के वाराणसी में, बहत्तरवें राष्ट्रीय वॉलीबॉल टूर्नामेंट का ऑनलाइन उद्घाटन करते हुए उन्होंने कहा कि भारत दो हजार छत्तीस में ओलिंपिक खेलों की मेज़बानी का प्रबल दावेदार है। श्री मोदी ने कहा कि उनकी सरकार ने खेल के क्षेत्र में कई सुधार किए हैं जिनमें राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम और खेलो भारत नीति शामिल हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश का खेल मॉडल खिलाड़ियों के अनुकूल है और इसलिए विगत वर्षों में खेलों में हम सफल रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार खेल प्रतिभाओं की पहचान, उनके उचित प्रशिक्षण,

पोषक आहार और पारदर्शी चयन–प्रक्रिया पर ध्यान दे रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि अब भारत में खेलों का बुनियादी ढांचा भी मजबूत हो रहा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारत को अपने युवा खिलाड़ियों पर गर्व है जो देश का नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब हर कोई अपनी ज़िम्मेदारी का निर्वाह गंभीरतापूर्वक करता है, तभी सफलता मिलती है और देश इसी भावना के साथ आगे बढ़ रहा है। राष्ट्रीय वॉलीबॉल टूर्नामेंट 11 जनवरी तक चलेगा। इसमें देशभर के एक हज़ार से अधिक खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। इस खेल के आयोजन से वाराणसी, राष्ट्रीय खेल मानचित्र में शामिल हो गया है।

<><><><><><><>

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कल नेताजी स्टेडियम में तीन सौ तिहत्तर करोड़ रुपये की लागत वाली नौ परियोजनाओं का उद्घाटन किया और दो परियोजनाओं की आधारशिला रखी। इनमें दो सौ उनतीस करोड़ रुपये की लागत से निर्मित एकीकृत कमान और नियंत्रण केंद्र का उद्घाटन भी शामिल है। यह सुरक्षा उद्देश्यों के लिए एक व्यापक एकीकृत कमान और नियंत्रण केंद्र होगा, जो भारत के किसी भी विकसित शहर में मौजूद केंद्रों के समकक्ष होगा। इसके अलावा तैंतीस करोड़ की लागत से गाराचरामा जिला अस्पताल चरण – एक का लोकापर्ण, फोरेन्सिक साइंस लैब का लोकापर्ण और पचास करोड़ रुपय की लागत से छ अन्य योजनाओं का लोकापर्ण किया। जन सभा को संबोधित करते हुए गृह मंत्री ने कहा कि इन विकास परियोजनाओं के माध्यम से द्वीप समूह के विकास के एक नए अध्याय की शुरूआत हो रही है। उन्होंने कहा कि द्वीप समूह में ब्लू इकॉनोमी और पर्यटन के लिए अपार संभवानाएं है। गृह मंत्री ने कहा कि पर्यटन हो या पर्यावरण,

मत्स्य संपदा हो या कृषि, एम एस एम ई हो या स्वच्छ ऊर्जा हर क्षेत्र में विकास की शुरूआत यहां हुई है। ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट के बारे में उन्होंने कहा कि इससे ग्रेट निकोबार विश्व के नक्शे पर अंडमान निकोबार द्वीप समूह को एक महत्वपूर्ण व्यापारिक स्थान और सामरिक सुरक्षा का केन्द्र बनाएगा।

<><><><><><><>

इस अवसर पर केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राज, श्री बंडी संजय कुमार, द्वीप समूह के उपराज्यपाल एडमिरल डी के जोशी, सांसद बिष्णु पद रे और केन्द्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

<><><><><><><>

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अंडमान निकोबार द्वीप समूह के दौरे के अवसर पर कल शाम मिडिल प्वाइंट स्थित भारतीय जनता पार्टी के कार्यालय में कार्यकर्ताओं से भेंट की। गृह मंत्री के स्वागत के लिए भारतीय जनता पार्टी कार्यालय खचाखच भरा हुआ था। इससे पहले श्री शाह ने द्वीप समूह में भाजपा अध्यक्ष अनिल कुमार तिवारी सहित अन्य प्रमुख पदाधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक के दौरान श्री तिवारी ने गृह मंत्री को अंडमान निकोबार द्वीप समूह में भाजपा द्वारा शासकीय योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। भाजपा अध्यक्ष श्री तिवारी के साथ गृह मंत्री ने प्रमुख पदाधिकारियों से प्रधानमंत्री नेरन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के साथ–साथ विकसित भारत के संकल्प के लिए एक जुट होकर कार्य करने पर बल दिया। इसके बाद गृह मंत्री ने सभागार कक्ष में उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं का अभिवादन करते हुए उन्हें धन्यवाद दिया। भाजपा अध्यक्ष अनिल कुमार तिवारी ने बातया कि आज गृह मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सचिवालय में उनकी बैठक हुई जिसमें स्थानीय मुद्दो पर विस्तार से चर्चा हुई।

<><><><><><><><>

अब तीन वर्ष से कम अवधि वाले स्टार्टअप भी अनुसंधान, विकास और नवाचार कोष का लाभ उठा सकेंगे। वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग – डी एस आई आर के मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने विभाग के 41वें स्थापना दिवस समारोह में, नई दिल्ली में कहा कि अब नए स्टार्टअप भी पंजीकरण कर इस कोष का लाभ उठा सकते हैं। डॉ. सिंह ने कहा कि सरकार ने परमाणु क्षेत्र और अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी क्षेत्र के लिए खोलने जैसे कई महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं। श्री सिंह ने कहा कि भारत, प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत की दृष्टि को कार्यरूप दे रहा है और एक ऐसे देश के रूप में उभर रहा है जिस पर भरोसा करने वाले देशों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। उन्होंने देश के अनुसंधान और विकास तथा नवाचार पारितंत्र को मजबूत करने के लिए कई महत्वपूर्ण पहलों की जानकारी दी। इनमें आंतरिक अनुसंधान और विकास को महत्व देने, डीप टेक स्टार्टअप केंद्र संबंधी दिशानिर्देशों का क्रियान्वयन, प्रिज़्म नेटवर्क प्लेटफॉर्म इनोवेटर पल्स और प्रिज़्म स्कीम के अंतर्गत क्रिएटिव इंडिया की शुरुआत शामिल हैं।

<><><><><><><><>